दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक :16.12.2024

प्रकाशनार्थ

आज दिनांक 16 दिसम्बर 2024 को दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा 'विजय दिवस' का आयोजन कर 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध में शहीद हुए जवानों को याद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

उक्त अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि आज के ही दिन भारत के सैनिकों ने अपनी शक्ति का परिचय देते हुए बांग्लादेश को पाकिस्तान के चुंगल से मुक्त कराया था, और 93 हजार पाकिस्तानी सैनिकों को आत्मसमर्पण करने हेतु विवश किया था। बांग्लादेश की वर्तमान परिस्थितियों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि बांग्लादेश ने आज अपने हिन्दु अल्पसंख्यक समुदाय के ऊपर शोषण तथा अत्याचार कर स्थिति विस्फोटक एवं भयावह कर दी है। बांग्लादेशी हिन्दुओं के प्रति बढ़ते दमन, लूटपाट एवं शोषण की घटनाओं ने पुनः बांग्लादेश में ऐसी परिस्थितियॉ उत्पन्न कर दी है जिससे भारतीय सेना को एक बार फिर से बांग्लादेश में हस्तक्षेप करना पड़ सकता है। यूनुस सरकार ने आज जो संकट बांग्लादेश में खड़ी की है उससे भारत की आन्तरिक सुरक्षा भी प्रभावित हो रही है। दोनों देशों में कटुता बढ़ रही है और उसका सबसे प्रमुख कारण हिन्दुओं के प्रति शोषण और दमन की नीति है जो वर्तमान बांग्लादेशी सरकार की मौन सहमति के कारण हो रहा है। बांग्लादेश में 1971 जैसी स्थिति फिर से बन चुकी है और भारत को न चाहते हुए बांग्लादेश के आन्तरिक मुद्दे पर हस्तक्षेप करना पड़ सकता है क्योंकि इससे भारतीय सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती है।

उक्त अवसर पर रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. राम प्रसाद यादव ने कहा कि बांग्लादेश में हिन्दुओं के प्रति हो रहे अत्याचार ने भारत के समक्ष पुनः 1971 का परिदृश्य ला दिया है। किसी भी देश की आन्तरिक मुद्दे तब तक ही आन्तरिक रहे सकते हैं, जब तक वह दूसरे देश की सुरक्षा के लिए चुनौती नहीं पेश करते। साम्प्रतिक बांग्लादेश की समस्याएं भारत की आन्तरिक सुरक्षा हेतु बहुत ही गम्भीर समस्याएं उत्पन्न कर रही है। भारत इस मुद्दे की ज्यादा दिनों तक अनदेखी नहीं कर सकता है और समय रहते बांग्लादेश के विरूद्ध कठोर एवं सख्त निर्णय लिए जा सकते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बांग्लादेश में हो रही घटनाओं के प्रति जागरूकता लाकर वहाँ की सरकार पर अंकुश लगाना चाहिए। जिससे वहाँ के हिन्दुओं के अधिकार सुरक्षित रह सके और उनका शोषण एवं दमन न किया जा सके।

कार्यक्रम का संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह ने किया तथा आभार ज्ञापन श्री विकास कुमार पाठक ने किया। इस अवसर प्रो. परिक्षित सिंह, डॉ. विवेक शाही, श्री इन्द्रेश पाण्डेय, डॉ. धीरज कुमार सिंह, डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता, डॉ. शैलेष सिंह सहित छात्र– छात्राएं उपस्थित रहे।

(डॉ. शैलेष कुमार सिंह)
सूचना एवं मीडिया प्रभारी